



Tue - 01 Sep - 2026

Year - 01

Issue - 158

Page - 01

Rs. - 5

www.azadvaani.com

पंजाब के GST संग्रह में 11.84% की बढ़ोतरी, SGST नकद वसूली में 18.77% उछाल



चंडीगढ़, 1 सितंबर 2026: पंजाब ने अगस्त 2026 में जीएसटी राजस्व के मोर्चे पर मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। राज्य के शुद्ध जीएसटी राजस्व में पिछले वर्ष की तुलना में 11.84 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि एसजीएसटी नकद वसूली में 18.77 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया। वित्त, योजना, आबकारी एवं कर मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इसे राज्य की मजबूत आर्थिक गतिविधियों, ईमानदार करदाताओं और प्रभावी कर प्रशासन का परिणाम बताया।

चीमा ने कहा कि अगस्त 2026 में पंजाब ने 2,406.33 करोड़ रुपये का शुद्ध जीएसटी राजस्व एकत्र किया, जबकि अगस्त 2025 में यह 2,151.63 करोड़ रुपये था। इस तरह राज्य के राजस्व में 254.70 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। वहीं एसजीएसटी नकद वसूली 750.37 करोड़ रुपये से बढ़कर 891.24 करोड़ रुपये हो गई, जो 140.87 करोड़ रुपये यानी 18.77 प्रतिशत की वृद्धि है।

पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 86% कमी, सीएम मान ने व्यापक जागरूकता अभियान पर दिया जोर



चंडीगढ़, 1 सितंबर: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्य में पराली जलाने की घटनाओं को और कम करने के लिए गांव और ब्लॉक स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के निरंतर प्रयासों से 2023 से 2025 के बीच पराली जलाने की घटनाओं में 86 प्रतिशत की कमी आई है। घटनाएं 2023 में 36,663 से घटकर 2024 में 10,909 और 2025 में 5,114 रह गईं।

पराली प्रबंधन को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष पंजाब में करीब 30 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की खेती हुई है, जिससे लगभग 18.81 मिलियन टन पराली उत्पन्न होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष घटनाओं में और कमी लाने के लिए सभी हितधारकों को मिलकर काम करना होगा। मान ने एनजीओ, समाजसेवियों, पंचायतों और किसानों को अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए।

‘डिजी पंजाब’ पोर्टल लॉन्च, 300 से अधिक सरकारी सेवाएं अब एक ही मंच पर



चंडीगढ़, 1 सितंबर: पंजाब सरकार ने नागरिकों को सरकारी सेवाएं आसान, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए ‘डिजी पंजाब’ एकीकृत पोर्टल लॉन्च किया है। सुशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अमन अरोड़ा ने मैगसीपा में पोर्टल का शुभारंभ किया। फिलहाल 12 विभागों की 300 से अधिक सेवाएं इस पोर्टल पर उपलब्ध हैं, जबकि अगले दो महीनों में राज्य की 800 से अधिक सरकारी सेवाओं को इससे जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

अमन अरोड़ा ने कहा कि ‘डिजी पंजाब’ का उद्देश्य लोगों को अलग-अलग सरकारी पोर्टलों, कार्यालयों, लंबी कतारों और मैन्युअल कागजी कार्रवाई से राहत दिलाना है। पोर्टल के माध्यम से नागरिक घर बैठे आवेदन कर सकेंगे और अपने आवेदन की रियल-टाइम स्थिति भी देख सकेंगे।

पहले चरण में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण, शस्त्र लाइसेंस से जुड़ी सेवाएं, पुलिस वैरीफिकेशन, आय एवं निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, संपत्ति हस्तांतरण और पानी के कनेक्शन सहित कई महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

मंत्री ने कहा कि प्रत्येक सेवा के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की गई है। निर्धारित समय में आवेदन का निपटारा नहीं होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय होगी और देरी उनके रिकॉर्ड में दर्ज होगी। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही के जरिए भ्रष्टाचार तथा बिचौलियों की भूमिका को कम किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि लोगों को अपने छोटे-छोटे कामों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। तकनीक की पहुंच से दूर क्षेत्रों के लोगों के लिए सेवा केंद्र और 1076 डोरस्टेप डिलीवरी सेवा सहायता का माध्यम बने रहेंगे।

अरोड़ा ने बताया कि पिछले चार वर्षों में राज्य ने कई सेवाओं का डिजिटलीकरण किया है। ‘मावां-धीयां सत्कार स्कीम’ के तहत 76 लाख से अधिक लाभार्थियों को कवर किया गया है, जबकि एसएमएस और व्हाट्सऐप के जरिए दो करोड़ से अधिक क्यूआर-कोड वाले प्रमाण पत्र वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ‘डिजी पंजाब’ केवल तकनीकी परियोजना नहीं, बल्कि नागरिकों को प्राथमिकता देने और सरकारी व्यवस्था में लोगों का विश्वास मजबूत करने का प्रयास है।

अमन अरोड़ा ने कहा कि नए पोर्टल से सरकारी सेवाओं की प्रक्रिया अधिक जराल और व्यवस्थित होगी। नागरिकों को आवेदन जमा करने के बाद उसकी प्रगति जानने के लिए संबंधित कार्यालयों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हर आवेदन की ऑनलाइन निगरानी होने से अधिकारियों पर समय पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित होगी।

उन्होंने कहा कि ‘डिजी पंजाब’ से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। सीमावर्ती गांवों के विद्यार्थियों, मजदूरों, बुजुर्गों और अन्य नागरिकों को चंडीगढ़ या जिला मुख्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। इससे समय और संसाधनों की बचत होगी।

मंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों से पोर्टल के प्रभावी संचालन के लिए अपने स्टाफ को उचित प्रशिक्षण देने की अपील की। उन्होंने कहा कि डिजिटल व्यवस्था तभी सफल होगी जब अधिकारी नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करेंगे और प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए समय-सीमा के भीतर निपटाएं।

पंजाब में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए ₹598.75 लाख का स्टेट एक्शन प्लान मंजूर

चंडीगढ़, 1 सितंबर: पंजाब सरकार ने राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान, सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और आत्मसम्मान के साथ जीवन उपलब्ध कराने के लिए स्टेट एक्शन प्लान फॉर सीनियर सिटीजन्स (SAP) 2026-27 को मंजूरी दी है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उच्च स्तरीय हितधारक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य देखभाल, सामाजिक सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

डॉ. बलजीत कौर ने घोषणा की कि 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर श्री मुक्तसर साहिब से राज्य स्तरीय ‘सादे बुजुर्ग सादा मान’ अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करना है। इसके तहत वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में

जागरूकता बढ़ाई जाएगी।

मंत्री ने बताया कि स्टेट एक्शन प्लान के लिए ₹598.75 लाख की वित्तीय व्यवस्था की गई है। इस राशि का उपयोग निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं मूल्यांकन शिविरों, आंखों की जांच और जरूरतमंद बुजुर्गों की मोतियाबिंद सर्जरी, जेरिएट्रिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने तथा केयरगिवर्स के प्रशिक्षण पर किया जाएगा। पंजाब कौशल विकास मिशन के सहयोग से जेरिएट्रिक केयरगिवर्स को प्रशिक्षित करने की योजना भी बनाई गई है।

इसके अलावा डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता, सक्रिय वृद्धावस्था को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम, जागरूकता अभियान, मीडिया गतिविधियां और विभिन्न पीढ़ियों के बीच आपसी जुड़ाव बढ़ाने वाले कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। डॉ. बलजीत कौर ने स्वास्थ्य विभाग को नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने और वरिष्ठ नागरिकों के लिए समय पर जांच, उपचार, आंखों की देखभाल तथा जरूरत के अनुसार रेफरल सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिन बुजुर्गों ने परिवार और समाज की मजबूती में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, वे जीवन के इस पड़ाव पर प्यार, सम्मान और सुरक्षा के हकदार हैं। उनकी सेवा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। मंत्री ने सभी संबंधित विभागों को आपसी तालमेल के साथ योजना को प्रभावी और समयबद्ध ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित निगरानी, जवाबदेही और विभागीय समन्वय के जरिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रत्येक पात्र वरिष्ठ नागरिक तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ पहुंचे।



बच्चों के स्वास्थ्य की ‘स्वर्णिम’ पहल: पंचकूला के एनआईए में 5, 12 और 19 सितंबर को निःशुल्क स्वर्णप्राशन शिविर



पंचकूला, 1 सितंबर: बच्चों के स्वास्थ्य और समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), पंचकूला की ओर से सितंबर माह में तीन निःशुल्क स्वर्णप्राशन शिविर आयोजित किए जाएंगे। ये शिविर 5, 12 और 19 सितंबर को प्रत्येक शनिवार को आयोजित होंगे। इनमें 6 माह से 16 वर्ष तक की आयु के बच्चों को निःशुल्क स्वर्णप्राशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

यह पहल 11वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में शुरू की गई है। संस्थान के कुलपति प्रोफेसर डॉ. संजीव शर्मा और डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी के मार्गदर्शन में कौमारभृत्य विभाग द्वारा बाल स्वास्थ्य से जुड़ी आयुर्वेदिक पद्धतियों को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

कौमारभृत्य विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अपर्णा दिलीप ने बताया कि 5, 12 और 19 सितंबर को आयोजित होने वाले शिविर आयुर्वेद वैद्यशाला कोट्टुक्कल के सहयोग से लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर सितंबर में प्रत्येक शनिवार को शिविर लगाने की योजना बनाई गई है, ताकि अधिक से अधिक अभिभावक अपने बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और सेवाओं का लाभ उठा सकें।

उन्होंने कहा कि सितंबर के बाद भी स्वर्णप्राशन शिविर हर महीने आयोजित किए जाएंगे। इनकी तिथियों की जानकारी अभिभावकों को समय-समय पर उपलब्ध कराई जाएगी। संस्थान के डीन इंचार्ज प्रोफेसर सतीश गंधर्व और डीएमएस डॉ. गौरव गर्ग के निर्देशानुसार कार्यक्रम को व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जाएगा।

डॉ. अपर्णा दिलीप ने बताया कि स्वर्णप्राशन आयुर्वेद में वर्णित पारंपरिक बाल स्वास्थ्य पद्धति है। इसका उद्देश्य बच्चों की स्वस्थ वृद्धि, विकास और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। शिविर के दौरान अभिभावकों को बच्चों की निवारक देखभाल, स्वस्थ जीवनशैली और बाल स्वास्थ्य में आयुर्वेद की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि आयुर्वेदिक दृष्टिकोण में स्वर्णप्राशन को बच्चों के बल, बुद्धि, पाचन और शारीरिक विकास से जुड़े स्वास्थ्य लाभों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

TruSoft

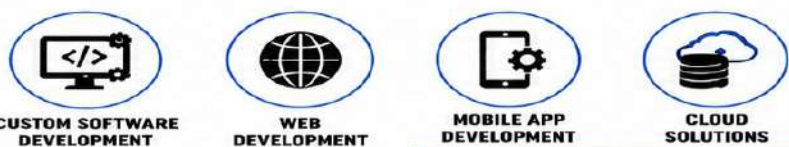
GST ACCOUNTING SOFTWARE WITH INVENTORY CONTROLS

ERP

Software that touches every part of your business.

SOFTWARE & WEB DEVELOPMENT

“Design is not just what it looks like and feels like. Design is how it works.”



Software for Manufacturers, Traders, Dealers/Distributors

- ALSO FOR:
- Clinical Labs
 - Schools
 - Drycleaners
 - Transportation
 - Pharmaceuticals
 - Library
 - Non Banking/Finance
 - Weighing Scales
 - Institutes
 - Readymade Garments
 - Dairies
 - Cold Storage
 - Hotels, Restaurants
 - Apparels, Footwear
 - Shuttering
 - Sabzi Mandi

www.trusofterp.com

support@trusofterp.com

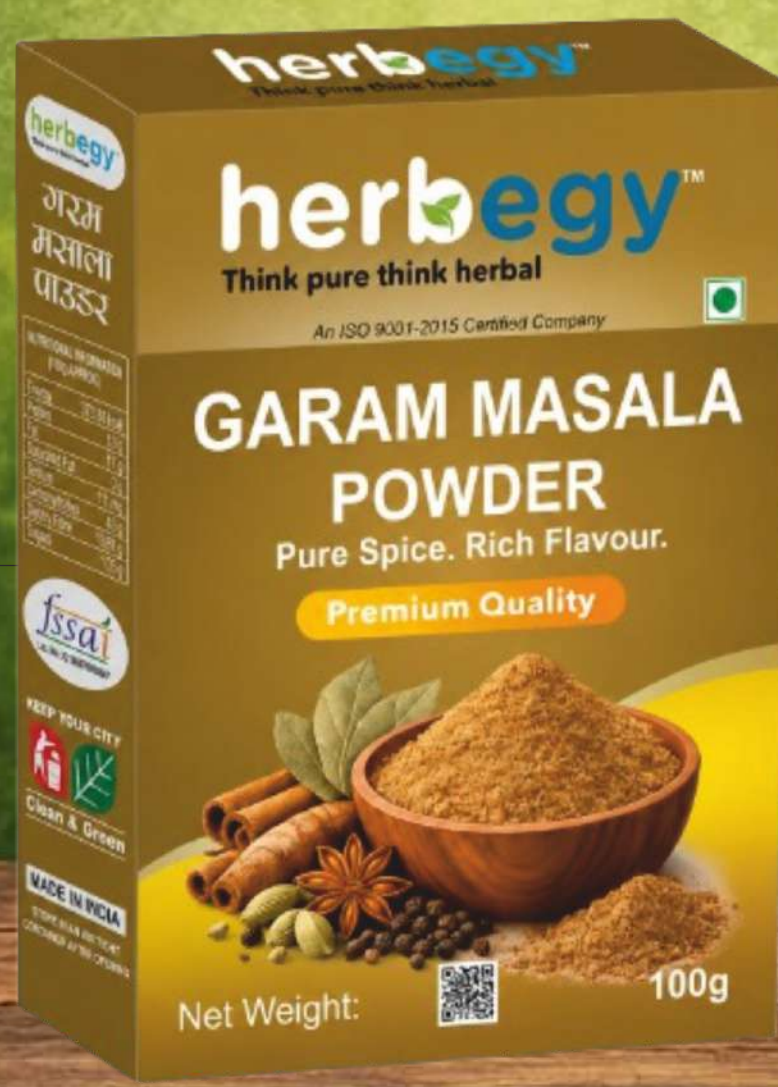
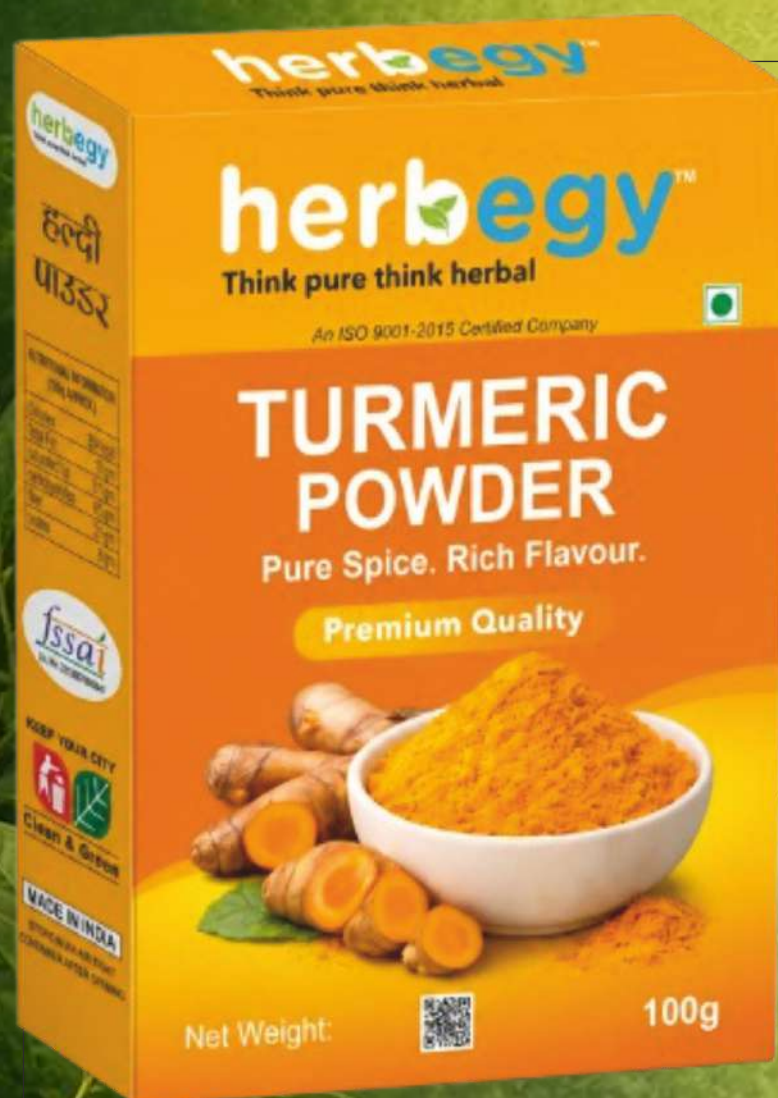
Smart Solutions. Stronger Businesses

herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.



PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015